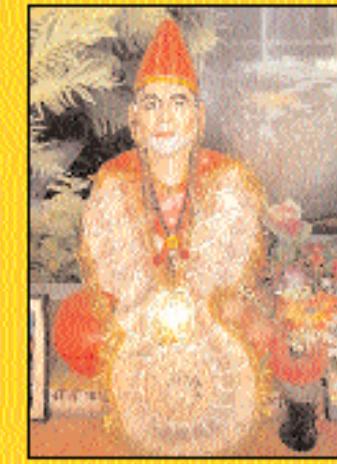


मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो. 9653906665



अंक 02/123

जयपुर

22 मई /2025

गुरुवार

मूल्य ₹ 5 | पृष्ठ: 04

टोंक कलेक्टर को बम से उड़ाने की धमकी

मेल आने के साढ़े 5 घंटे बाद भी नहीं पहुंचा डॉग स्कॉड-बम निरोधक दस्ता

टोंक। टोंक कलेक्टर को बम से उड़ाने की धमकी मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अज्ञात बदमाश ने कलेक्टर की ऑफिशियल ई-मेल पर दी। धमकी को लेकर हड्डीपंक मच गया। यह खबर जैसे स्टाफ को मिली तो इधर-उधर भाग छूटे। हालांकि उस समय कलेक्टर सेमेंट बड़े अधिकारी ऑफिस नहीं पहुंचे थे। कलेक्टर डॉग सूचा जा ने सभी कर्मचारियों से बाहर निकलने के निर्देश देते हुए इसकी सूचना एसी और उच्च अधिकारियों को दी। बम को डिफ्यूज करने के लिए कलेक्टर ने उच्च अधिकारियों से बम निरोधक दस्ता, डॉग स्कॉड भेजने की मांग की। लेकिन कलेक्टर को बम से उड़ाने की धमकी के निर्धारित दाइम दोपहर 3.30 बजे तक भी बम निरोधक दस्ता,



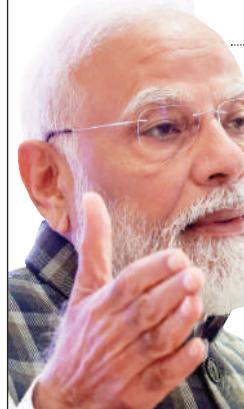
डॉग स्कॉड नहीं आया।

हालांकि इसकी सूचना मिलने के 10-15 मिनट बाद सुबह करीब 10.15 बजे एसी पौंछी गीता चौथीरी, डॉग्समैरी राजेश विश्वासी मय जाते के कलेक्टर पर दी गई। इसके बाद सुबह 10 बजे जिला प्रशासन की बताया कि करीब सुबह 10 बजे जिला प्रशासन की अधिकारियों द्वारा बम निरोधक दस्ता, डॉग स्कॉड भेजने की मांग की। लेकिन कलेक्टर को बम से उड़ाने की धमकी के निर्धारित दाइम दोपहर 3.30 बजे तक भी बम निरोधक दस्ता,

15-20 मिनट पहले ही सभी पुलिस और प्रशासन के अधिकारी कलेक्टर परिसर से बाहर निकल गए। सभी अधिकारी और पुलिस जापा भी कलेक्टर के बाहर रोड किनारे खड़े रहे। ऊंचे शाम करीब 4 बजे कलेक्टर डॉग सूचा जा भी मौके पर पहुंचे और कलेक्टर परिसर के बाहर से छरू रामरतन सौकरिया समेत अन्य अधिकारियों से बातचीत की। दिनभर का फोटोकैम लिया। इस दैराम छरू सौकरिया ने बताया कि करीब सुबह 10 बजे जिला प्रशासन की अधिकारियों द्वारा बम पर कलेक्टर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। उस समय कलेक्टर समेत बड़े अधिकारी नहीं थे। कलेक्टर अन्य ऑफिशियल टाइम (3.30 बजे) हुआ तो उसके

पार्टी कलेक्टर को बम से उड़ाने की धमकी

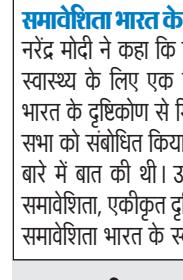
विश्व स्वास्थ्य सभा के 78वें सत्र में बोले पीएम मोदी 'स्वस्थ विश्व का भविष्य समावेशिता पर निर्भर है'



नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम नेंद्र मोदी ने जेनेवा में चल रहे विश्व स्वास्थ्य सभा के 78वें सत्र को संबोधित किया। इस दैराम उन्होंने स्वास्थ्य के लिए एक विश्व के मुद्दे पर भाव दिया। जो मैंने 2023 में इस सभा को संबोधित किया था, तो मैंने एक पूर्ण-एक स्वास्थ्य के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ विश्व का भविष्य समावेशिता, एकीकृत दृष्टिकोण और सहयोग पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि हमारी आयुष्मान भारत योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। इसमें 580 मिलियन लोग शामिल हैं और इनको मुफ्त इलाज प्रदान किया जाता है। इस कार्यक्रम को हाल ही में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीयों को शामिल करने के लिए बनाया गया है। भारत के पास हजारों स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का नेटवर्क है। वे कैसर, मध्येह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की जांच और पता लगाते हैं। हजारों सार्वजनिक फार्मासिस्ट बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं की उपलब्ध कराते हैं।



समावेशिता भारत के स्वास्थ्य सुधारों के मूल में... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस साल विश्व स्वास्थ्य सभा का विषय स्वास्थ्य के लिए एक विषय है। यह वीवरक स्वास्थ्य के लिए भारत के दृष्टिकोण से मिलता जूता है। जब मैंने 2023 में इस सभा को संबोधित किया था, तो मैंने एक पूर्ण-एक स्वास्थ्य के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ विश्व का भविष्य समावेशिता, एकीकृत दृष्टिकोण और सहयोग पर निर्भर करता है।

टीकाकरण को ट्रैक करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म

पीएम मोदी कहा कि स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए तकनीक एक महत्वपूर्ण उत्तराधिकारी का बोल्डर हो रहा है। लाखों लोगों के पास एक अनुदी डिजिटल स्वास्थ्य पहचान है। यह हाँ लाभ, बीमा, रिकॉर्ड और सूचना को एकीकृत करने में मदद कर रहा है। टोलीमेडिसिन सेवा ने 340 मिलियन से अधिक परामर्शी को सक्षम किया है।

तेलंगाना में ट्रैक-बस की टक्कर में 4 लोगों की मौत, 17 घायल

विकाराबाद, एजेंसी

तेलंगाना के विकाराबाद जिले में ट्रैक और बस की टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई। करीब 7 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, बस में सवार लोग शाहबाद में एक शादी समारोह से



मृतकों के शवों को पीएम के लिए भेजा... हादसे में घायलों को हैदराबाद के अलग-अलग हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। मृतकों के शवों को पास्टमॉटम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है।

727 रुपए गिरकर 93,058 पर आया सोना, चांदी भी गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार 20 मई को गिरवट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इडी) के अनुसार आईबी की चीफ तपन कुमार डेका का कार्यकाल 1 साल के बढ़ाया गया है। 20 जुलाई को मंगलवार आदेश जारी किया है।

कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 जून, 2025 से आगे एक साल की अवधि के लिए इंटीलैंजेंस ब्यूरो के निदेशक के रूप में डेका की सेवा में विस्तार का मंजूरी दी है।

727 रुपए गिरकर 93,058 पर आया सोना, चांदी भी गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बरेली शेर बाजार में मंगलवार को उत्तर-चढ़ाव के साथ लगातार तीसरे

क्लारिंज द्वारा बीमारी और बढ़ते गवाकर बैचमार्क सूचकांक नीचे फिसल गए। बीएसई सेंसेक्स में

873 अंक की गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 872.98 अंक या 1.06 प्रतिशत गिरकर 81,186.44 अंक पर बंद हुआ।

वहां, एनएसई निपटी 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत गिरकर 24,683.90 पर आ गया।

संसेक्स 873 अंक गिरकर हुआ बंद, निपटी 24700 के नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेर बाजार में मंगलवार को उत्तर-चढ़ाव

के साथ लगातार तीसरे

क्लारिंज द्वारा बीमारी और बढ़ते गवाकर बैचमार्क सूचकांक नीचे फिसल गए। बीएसई सेंसेक्स में

873 अंक की गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 872.98 अंक या 1.06 प्रतिशत गिरकर 81,186.44 अंक पर बंद हुआ। वहां, एनएसई निपटी 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत गिरकर 24,683.90 पर आ गया।

सीकर की गीता सामोता ने माउंट एवरेस्ट पर फहराया तिरंगा: बोलीं-

पहाड़ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करते, सीआईएसएफ की पहली महिला विजेता बनी

सीकरा।

राजस्थान के सीकर जिले की बेटी और सीआईएसएफ की उपनिवेशक गीता सामोता ने 19 मई को 8,489 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर इतिहास रच दिया। गीता सीआईएसएफ की पहली महिला अधिकारी बनीं, जिन्होंने %50निया की छठत% को फतह किया। साधारण परिवार में जन्मी गीता ने चार बहनों के बीच पारंपरिक ग्रामीण परिवेश में अपना बचपन बताया। एक होनाहो छोटीकी खिलाड़ी रही गीता को चोट ने खेल से दूर कर दिया, लेकिन उनके हैमेंटों ने पर्वतारोहण का खिलाब हासिल किया।



सीआईएसएफ में शुरू हुआ पर्वतारोहण का सफर

2011 में सीआईएसएफ में शामिल

होने के बाद गीता ने पर्वतारोहण को अपने जुनून का हिस्सा बनाया। 2015 में ITBP के औली प्रशिक्षण संस्थान में वे एकमात्र महिला प्रतिभावी थीं। 2017 में उन्हें पर्वतारोहण प्रशिक्षण पूरा कर CISF में उन्होंने माउंट सतोपंथ और मार्ग लोबुचे फतह कर CAPF की पहली महिला पर्वतारोहणी का खिलाब हासिल किया।

चार महाद्वीपों की चोटियां फतह

गीता ने 'Seven Summits'

जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता का गहराता संकट



योगेश कुमार गोयल

शोधकाताओं का पृथ्वी पर जैव विविधता के अस्तित्व पर मंडियां संकट को लेकर कहता है कि अधिकांश प्रजातियां मानव शिकार के कारण लुप्त हुई हैं जबकि कुछ अन्य कारणों में सूखे जानवरों

का डमला और बीमारिया शामिल हैं। हालांकि उपग्रहों से

गिली तस्वीरों के आधार पर

शोधकाताओं का मानव है कि

धृती के ऐसे साँस फ़ीसद

हिस्से की जैव विविधता को

बचाया जा सकता है, जहाँ

अभी पांच या उससे कम बढ़े

जानवर ही गायब हुए हैं

लेकिन इसके लिए मानव

प्रभाव से अछूते थेरों में कुछ

प्रजातियों की बसावट बढ़ानी

होगी ताकि पारिस्थितिकीय तंत्र

में असंतुलन पैदा न हो।

ना नवीय गतिविधियों के कारण पृथ्वी पर जैव जंतुओं, बनस्पतियों इत्यादि की अनेक प्रजातियां तेजी से लुप्त होती जा रही हैं। जैव-जंतु और बनस्पति ही धरती पर बहर और जलस्तर परिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं लेकिन प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते पिंजाज के कारण जैव-जंतुओं और बनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। अनेक शोधों से यह चिंताजनक तथा सामने आ चुका है कि पृथ्वी का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद खराब हो चुका है। मानवीय दखल से दूर रहने के कारण और स्थानीय जनजातीय लोगों की भूमिका के चलते धरती का केवल तीन प्रतिशत हिस्सा ही पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित रह गया है। जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने तथा धरती पर मौजूद जंतुओं और पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को एक खास थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का इस वार्ष का विषय है ॥॥प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास॥ जो न केवल पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करता है बल्कि जैव विविधता और सतत विकास के बीच गहरे अंतसंबंध को भी उजागर करता है।

अमेरिका की यूनिवरिसिटी आफ एरिजोना के शोधकाताओं का मानना है कि अगले पांच दशकों में जैव-जंतुओं और बनस्पतियों की प्रत्येक तीन में से एक यानी एक तिहाई प्रजातियों की विलुप्त हो जाएंगी। शोधकाताओं का अध्ययन भारत के छह सौ स्थानों पर पांच सौ से ज्यादा प्रजातियों की संख्या तक अध्ययन करने के बाद पाया कि अधिकांश स्थानों पर 44 प्रतिशत प्रजातियों विलुप्त हो चुकी हैं। इस अध्ययन में विभिन्न मौसमी कारकों का अध्ययन करने के बाद शोधकाताओं इस नीति पर पहुंचे कि यदि गर्मी रेसी ही बढ़ती रही तो 2070 तक दुनियाभर में कई प्रजातियों की संख्या घटना हो जाएगी। इस अध्ययन फरवरी के अनुसार दुनियाभर में वन्यजीवों और बनस्पतियों की हजारों प्रजातियों संकट में हैं और अनेक वाले समय में इनके विलुप्त होने की संख्या तथा दर में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। आइयूसीएन ने करीब एक लाख पैंटेस हजार प्रजातियों का अकलन करने के बाद इनमें से सैंकेतिक हजार चार सौ से अप्रतिशत दिसंसे में ही अधिकारियों विलुप्त हो चुकी हैं और 37 हजार से ज्यादा प्रजातियों पर विलुप्त होने का संकट मंडरा रहा है। बल्ड वाइल्ड लाइफ क्राइम रिपोर्ट के मुताबिक वन्यजीवों की तस्करी भी दुनिया



अंतर्गत आता है, उनमें से केवल 11 प्रतिशत क्षेत्र को ही संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। अधिकारियों वाले क्षेत्रों में से अधिकांश इतनों के उत्तरी गोलार्ध में आते हैं, जहाँ मानव उपस्थिति कम ही है, लेकिन अन्य क्षेत्रों के क्षमतावाले ये जैव विविधता से सम्पूर्ण नहीं थे।

॥॥इंटरेसेनल यूनियन फरवरी के अनुसार दुनियाभर में वन्यजीवों और बनस्पतियों की हजारों प्रजातियों संकट में हैं और अनेक वाले समय में इनके विलुप्त होने की संख्या बढ़ रही है, जबकि 48 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

पश्चिमी की संख्या में गिरावट को होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक सर्वाधिक तस्करी स्तरकारी जीवों की होती है। वन्यजीव तस्करी में 22 प्रतिशत तस्करी के मामले रेंगने वाले जीवों के आगे 10 प्रतिशत पश्चिमी के होते हैं जबकि पैदु-पौधों की तस्करी का हिस्सा 14.3 प्रतिशत है।

स्टेट ऑफ वर्ल्ड बाइसी नामक एक रिपोर्ट में यह तथा भी समने आ चुका है कि दुनिया में पश्चिमी की करीब 39

प्रतिशत प्रजातियों की संख्या स्थानी है और मात्र 6 प्रतिशत

प्रजातियों ही रेसी हैं, जिनकी संख्या बढ़ रही है, जबकि

48 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

पश्चिमी की प्रजातियों की संख्या में गिरावट को भारत के संदर्भ में देखें तो भारत में जहाँ 14 प्रतिशत प्रजातियों की करीब 39

प्रतिशत तस्करी की संख्या वृद्ध हुई है, वहाँ के बाद 6 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या ही स्थिर है जबकि 80 प्रतिशत प्रजातियों कम हुई है।

इनमें से 50 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में भारी

गिरावट और 30 प्रतिशत प्रजातियों में कम गिरावट दर्ज की गई है। सालाना पश्ची गणना में अब प्रतिवर्ष पश्चिमी

संख्या और विविधता में गिरावट आ रही है, जिसका बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और जंगलों का कहना है। उत्तराखण्ड के हिमालयी क्षेत्र पर हुए शोध के नतीजे भी चौकोगे बाले वाले हैं। वहाँ वन क्षेत्रों में मानवीय दखल, वनों की कटाई और तेजी से बढ़ते प्रदूषण के कारण पश्चिमी की संख्या में 60-80 प्रतिशत तक की कमी आई है।

पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक जैव विविधता के क्षण का सोध असर भविष्य में कृषि, खाद्य पैदावार इत्यादि पर पड़ेगा। इसलिए पृथ्वी पर जैव विविधता के बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी है कि हम पर्यावरण संतुलन को न बिगड़ा दें। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस प्रकार जंगलों में अतिक्रमण, कटाई, बढ़ावा प्रदूषण और पर्यटन के नाम पर जैव-जीवितियों के कारण पूरी दुनिया में जैव विविधता पर संकट मंडरा रहा है, वह पर्यावरण संतुलन बिगड़ाने का स्पष्ट संकेत है और यह सुधार के लिए जिसका कारण नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में बड़े नुकसान के तो यह प्रजातियों धरती से एक-एक कर लुप्त होती जाएगी और भविष्य में इसके पैदा होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना समस्त मानव जाति को ही करना होगा।

बहरहाल, शोधकाताओं का पृथ्वी पर जैव विविधता के अस्तित्व पर मंडराते संकट को लेकर कहना है कि अधिकांश प्रजातियों मानव शिकार के कारण लुप्त हुई हैं।

जैव विविधता के लिए जलवायु शामिल है। इसका कारण नहीं उठाए गए तो जारी रही और जीव-जंतुओं तथा पश्चिमी की संख्या उनके बालों और बढ़ावा के लिए जलवायु शामिल है।

विकास के नाम पर यदि वनों की कटाई बढ़ास्तर बढ़ास्तर के लिए जलवायु शामिल है।

जलवायु शामिल होने के लिए जलवायु शामिल है।

जलवायु

